सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 215 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 11 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास को हमेशा तर्क से तौलना चाहिए। जब विश्वास अंधा हो जाता है तो मर जाता है।

-महात्मा गांधी

कोको बनीं नई महिला अमेरिकी ओपन... 7 | कर्नाटक के बाद आंध्र से भी मोदी... 3 | गोमती नदी में जल स्तर बढ़ा... 2

अरबों रुपये खर्च करके भी डूब गई राजधानी, नगर निगम के भ्रष्टाचार की खुली पोल

जोरदार बारिश से शहर बन गया टापू, जनजीवन अस्त-व्यस्त

» दो दिन जारी रहेगी भारी बारिश, प्रदेश में आंधी-तूफान का रेड अलर्ट

□□□ क्षितिज कांत/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्ताधीशों ने दावा किया था कि यूपी की राजधानी देश के टॉप स्मार्ट शहरों में शामिल हो गई है। पर उनके दावे की कलई दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने खोल दी है। योगी सरकार द्वारा अरबों रुपये खर्च करके लखनऊ को स्मार्ट बनाने के वादे को बड़े-बड़े पाशॅ इलाकों में भरे जलजमाव आइना दिखा रहे हैं। यहीं नहीं स्मार्ट सीवर व उन्नत ड्रेनेज में किए गए अरबों रुपये पानी में बह गए हैं। ये हालात बानगी है कि नगरनिगम में भ्रष्टाचार इस कदर व्याप्त है कि गली-गली के नाले-नालियां तक चोक हो गई हैं। आलम यह है कि लोगों को घरों में घुसे पानी को निकानले में बहुत मशक्कत करनी पड़ रही है।

अधिकारी है कि बस खानापूर्ति में लगे हुए हैं। भादौ के महीने के अंतिम दिनों में वर्षा ने पूरे उत्तरप्रदेश के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। 9 सितंबर को सक्रिय हुए मानसून ने 10 सितंबर को विकराल रुप लेलिया है। रात भर तेज बारिश से राजधानी लखनऊ समेत कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। शहर के पॉश से लेकर आम बस्तियों तक में पानी घरों तक में घुस गया है। लाग रात भर सो नहीं सके। इसी के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ भारी बरसात को लेकर मौसम विभाग का येलो व ऑरेंज अलर्ट भी बरकरार रख गया है। मौसम विभाग ने लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर खीरी, हरदोई और सीतापुर में आंधी-तूफान का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर व आसपास के इलाकों में भारी बरसात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई जो कि रविवार पूरी रात होती रही। मौसम को देखते हुए लखनऊ जिले के सभी स्कूलों में अवकाश की घोषणा की गई। इसके अलावा, भारी बारिश के कारण रेलवे स्टेशन पर पटरियों के बीच जलभराव हो गया है, जिससे रेलवे लाइन डूब गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों तक इसी तरह भारी बारिश की आशंका है।

फोटो: सुमित कुमार

24 घंटों तक इसी तरह भारी बारिश की आशंका है।

- मौसम विभाग ने लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर खीरी, हरदोई और सीतापुर में आंधी-तूफान का रेड अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश में दो लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश में कन्नौज जिले के ललकियापुर गांव में भारी बारिश के कारण कच्चा मकान गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। नायब तहसीलदार रवेश कुमार ने बताया कि राम सनेही का मकान कच्चा था और उनके दो पुत्र कल्लू (13) और अवनीश (17) रविवार शाम अपने घर के एक कमरे में बैठे हुए थे तभी यह हादसा हुआ। अचानक भारी बारिश के कारण मकान गिर गया। मलबे में अवनीश और कल्लू दब गए। दोनों भाइयों को पड़ोसियों ने मलबे से बाहर निकाला और उन्हें तिर्वा के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नायब तहसीलदार ने लेखपाल राहुल गुप्ता के साथ घटना की पूरी जानकारी ली और कहा कि परिवार को आर्थिक मदद दी जाएगी। रविवार शाम से कन्नौज में शुरू हुई वर्षा रात भर जारी रही। भारी बारिश से जिले का जनजीवन अस्त व्यस्त रहा और पूरी रात बिजली भी गुल रही।

सीएम ने दिए अधिकारियों को निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर नजर रखें। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि जल भराव की स्थिति में जल निकासी के लिए प्रभावी प्रबंध किए जाएं। नदियों के जल स्तर की सतत निगरानी की जाए। फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाए तक प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जा सके।

13 से मानसून की सक्रियता में आ सकती है कमी

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 12 सितंबर तक मौसम ऐसा ही रहेगा, 13 से मानसून की सक्रियता में कमी आएगी, पश्चिमी इलाकों में बारिश की तीव्रता घटेगी। उधर, प्रदेश में जारी धीमी तेज बारिश के बीच शनिवार शाम से रविवार शाम तक मुरादाबाद में सर्वाधिक बरसात रिकार्ड की गई। जबकि बीते 24 घंटे से प्रदेश में कहीं भारी तो कहीं मध्यम बरसात रुक रुक कर जारी है।

गोमती नदी में जल स्तर बढ़ा

लगातार बारिश के कारण गोमती नदी में जल स्तर बढ़ने पर जिलाधिकारी सूर्य प्रताप गंगवार ने कहा, गोमती नदी में जल प्रबंधन के लिए हम निरीक्षण कर रहे हैं ताकि हम जान सकें कि शहरी क्षेत्र से पानी की निकासी कैसे की जाए... हम दो गेट खोल दिए हैं और दो गेट फिर से खोलने जा रहे हैं...ताकि शहर से पानी की निकासी हो सके...कुछ निचले इलाके हैं। नगर पालिका परिषद की हमारी टीम लखनऊ के हर क्षेत्र में काम कर रही है। वहीं मंडलायुक्त रोशन जैकब ने शहर के हालात का जायजा लिया। लखनऊ में कल देर रात से जारी भारी बारिश के बाद स्थानीय अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में ले लिया है, लखनऊ कमिश्नर मौके पर हैं और उन इलाकों का निरीक्षण कर रहे हैं जहां जलभराव की खबरें मिली हैं।

भाजपा ने जनता को दिखाए झूठे सपने : अखिलेश

» कहा- अगला चुनाव भेद को मिटाने के लिए लड़ा जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जी-20 की बैठक में विदेशी मेहमानों को सोने की थाली में छप्पन भोग परोसे गए, पर देश के करोड़ों लोगों को बस पांच किलो अनाज के भरोसे छोड़ा गया है। उन्होंने एक्स के जरिये कहा कि अगला चुनाव इसी भेद को मिटाने के लिए लड़ा जाएगा। दिखावा भी छलावा होता है या कहिए जुमले का पर्यायवाची। उन्होंने कहा कि भाजपा के दिखाए झूठे स्वर्णिम स्वप्न की नींद से जनता जाग गई है, वैसे भी भूखी आंख को सुनहरे सपने नहीं आ सके। समाजवादी व्यापार सभा ने खनन पर दोहरे टैक्स के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का विरोध किया है।

सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि इससे घर, पुल, सड़क सहित हर निर्माण की लागत 7 फीसदी तक बढ़ जाएगी। जीएसटी लागू होने से पहले खनन पर रॉयल्टी के अतिरिक्त पांच फीसदी सेवाकर का प्रावधान किया गया था। एक ही उत्पाद पर दो टैक्स (रॉयल्टी और जीएसटी) नहीं लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में मामला पहले ही विचाराधीन है। साथ ही रिफंड न मिलने से पूंजी फंसेगी। वहीं, प्रदेश प्रमुख महासचिव यासिर सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा सरकार ने यदि यह फैसला वापस नहीं लिया, तो समाजवादी व्यापार सभा इसके खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी।

पिछड़ों, अल्पसंख्यकों व दलितों के मुद्दे प्रमुखता से उठाएगी सपा

घोसी उपचुनाव ने जश्न के साथ सपा को नए सिरे से रणनीति तय करने का मौका दिया है। माना जा रहा है कि सपा पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक यानी पीडीए के मुद्दे तो प्रमुखता से उठाएगी, साथ ही अगड़ों को साथ लेने में भी कसर नहीं छोड़ेगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव घोसी के इस सबक के मुताबिक आगे की रणनीति तय करेंगे। रामपुर का गढ़ गंवाने के बाद सपा नेतृत्व ने राजनीतिक रणनीति के लिहाज से फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ाने शुरू किए। अखिलेश ने घोसी में टिकट फाइनल करने से पहले मऊ और आजमगढ़ के प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं को पार्टी कार्यालय पर बुलाया था। साथ ही टिकट के दोनों दावेदार सुधाकर सिंह और रामजतन राजभर भी उसी दिन पार्टी मुख्यालय पर आए थे। अखिलेश ने पहले हॉल में कार्यकर्ताओं के साथ मंथन किया। फिर सुधाकर व रामजतन और उनके प्रमुख समर्थकों को अपने साथ अलग कमरे में बैठाया। गुणा-गणित ऐसे समझाया कि सर्वसम्मति से सुधाकर का नाम तय हो गया, जिसकी सूचना कुछ ही मिनटों के बाद पार्टी ने आधिकारिक तौर से सार्वजनिक कर दी।

एनडीए के मालिक सिर्फ शाह और मोदी : राजभर

लखनऊ। घोसी विधानसभा उप चुनाव में एनडीए में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को भले ही करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उनको मंत्री बनाए जाने को लेकर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उनका एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें राजभर दमदारी से यह कह रहे हैं, लोग दिल थाम कर बैठें, चुनाव हारने के बाद भी दारा और मैं मंत्री जरूर बनेंगे। दरअसल घोसी उप चुनाव परिणाम के बाद राजभर और दारा सिंह चौहान को मंत्री बनाए जाने को लेकर फिर चर्चाएं तेज हैं। इस संबंध में पूछे जाने पर ओमप्रकाश राजभर सवाल पूछने वाले मीडिया कर्मी से कह रहे हैं कि जो लोग ऐसा सोच रहे हैं कि अब हम दोनों मंत्री नहीं बनेंगे तो उनसे कहिए कि हम लोग एनडीए के हिस्सा हैं और एनडीए के मालिक प्रधानमंत्री, अमित शाह और जेपी नड्डा हैं, कोई और मालिक नहीं है। वीडियो में राजभर यह कहते हुए दिख रहे हैं कि जो लोग हमें और दारा सिंह को मंत्री बनाए जाने को लेकर परेशान हैं, कहीं उन लोगों का कलेजा न फट जाए और हार्ट अटैक न हो जाए। उन लोगों को धैर्य से दिल थामकर बैठना चाहिए। उन्होंने कहना है कि हम लोग 100 प्रतिशत मंत्री बनेंगे।

दारा को राजभर जाति का मिला सबसे अधिक वोट

घोसी उप चुनाव में दारा सिंह को राजभर समेत अन्य पिछड़ी जातियों का कम वोट मिलने के आरोपों को खारिज करते हुए सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि यह कहना गलत है। एक निजी सर्वे एजेंसी के सर्वे की रिपोर्ट के हवाले से राजभर कहते हैं कि उनकी बिरादरी का 83 से 90 प्रतिशत वोट दारा सिंह को मिले हैं। चौहान को सबसे कम वोट ब्राह्मण और क्षत्रियों का मिला है।

ओमप्रकाश राजभर बहुत हल्के आदमी हैं : शिवपाल यादव

उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह की जीत के बाद ओम प्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी के नेताओं के निशाने पर हैं। राजभर ने मंत्री बनने के सवाल पर एक दिन पहले कहा था कि सपा उनकी मालिक नहीं है, अब इस पर अखिलेश यादव के चाचा और पार्टी नेता शिवपाल यादव ने पलटवार किया है। अखिलेश यादव का साथ छोड़कर एनडीए में जाने वाले ओम प्रकाश राजभर पर जब उनसे सवाल पूछा गया तो शिवपाल यादव ने कहा, मैंने सीएम योगी से विधानसभा में मांग की थी इन्हें जल्दी मंत्री बनाओ वरना ये मेरे साथ आ जाएंगे। मैं जानता हूं राजभर और संजय निषाद सपा के लिए स्टार प्रचारक थे। मंत्री होकर हिन्दुस्तान में रहेंगे और बात पाकिस्तान की करेंगे, बहुत हल्के लोग हैं।

एमपी में घोटाला (जी)-18 चल रहा है : कमलनाथ

» भाजपा के कुशासन के साल तो पूरे हो गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में पक्ष-विपक्ष को लेकर आरोप प्रत्यारोप को लेकर सियासत जारी है। इसी कड़ी में कमलनाथ ने ट्वीट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को ट्वीट किया कि दिल्ली में जी-20 हुआ। एमपी में भाजपा सरकार के राज में घोटाला (जी)-18 चल रहा है।पीसीसी चीफ कमलाथन ने ट्वीट किया कि दिल्ली में जी-20 हुआ, पर मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के राज में जी-18 चल रहा है।

एमपी में भाजपा के कुशासन के साल तो पूरे हो गए हैं 18, और राज तो घोटालों (जी) का ही चल रहा है। नाथ ने आगे लिखा कि 225 महीने की सरकार में 225 से ज्यादा तो महा घोटाले हो गए हैं, और छोटे घोटालों की तो गिनती नहीं हैं। वहीं, दिग्विजय सिंह के भाई और चाचौड़ा से विधायक लक्ष्मण सिंह ने भी ट्वीट कर बड़ी नसीहत दी है। उन्होंने लिखा कि जी-20 का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारत में वासुदेव कुटुम्बकम की भावना से संपन्न होना गौरव की बात है।

कॉडर को मजबूत कर फिर बनाएंगे पैठ : बसपा

» गांवों में कैंप करने का अभियान शुरू होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी उप चुनाव का परिणाम देखकर बसपा पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। पार्टी ने अपनी पूरी ताकत काडर कैंपों पर लगा दी है। बसपा के रणनीतिकार मान रहे है कि घोसी उपचुनाव में बसपा की अपील का असर आया है। ऐसे में बसपा यदि अपने काडर को मजबूत करे तो लोकसभा चुनाव में इसका लाभ मिल सकता है। यही कारण है कि बसपा ने सभी बूथ, सेक्टरों में काडर कैंप शुरू कर दिए हैं। सर्वसमाज पर फोकस करते हुए उसी के हिसाब से बैठकों का लक्ष्य तय किया गया है। घोसी उप चुनाव में बसपा ने चुनावी रण में अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था।

साथ ही अपील की थी कि बसपाई वोट न करें या फिर नोटा दबाएं। हैरत की बात यह रही कि बसपा की यहां स्थिति काफी अच्छी है और पिछले चुनावों में बसपा के उम्मीदवार को 50,000 के आसपास वोट मिलते रहे हैं। ऐसे में बसपा के इस निर्णय से घोसी के सियासी रण में खलबली मच गई थी। माना जा रहा है कि इसका लाभ सपा को मिला और दलित वोटर उधर शिफ्ट हो गया। चाहे किसी का लाभ हुआ हो या किसी का नुकसान पर बसपा थिंक टैंक का मानना है कि बसपा की अपील ने घोसी के चुनाव परिणाम पर तगड़ा असर डाला। ऐसे में बसपा को उम्मीद है कि यदि काडर आधारित काम तेज किया जाए तो बसपा की स्थिति में सुधार हो सकता है। ऐसे में सभी बूथ और सेक्टर पर काडर कैंपों को तेज कर दिया गया है। बसपा ने गांव चलो अभियान शुरू किया है। सेक्टर कमेटियों को लक्ष्य दिया गया है कि वे अपने सेक्टर के विधानसभा क्षेत्रों में कैंप करें। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक दिन में कम से कम एक कैंप जरूर होना चाहिए।

सर्व समाज पर फोकस

वैसे तो बसपा का जोर दलित मुस्लिम समीकरण पर रहा है लेकिन काडर कैंपों में सर्वसमाज पर फोकस है। यानी मुस्लिम, दलित के अलावा पिछड़े व सवर्णों के लिए भी कैंप किए जाएंगे। हाल ही में बसपा ने आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों को अपने एजेंडे में शामिल किया है। बसपा सुप्रीमो मायावती अपने बयानों में उनका भी जिक्र कर रही हैं। कोशिश यह है कि वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव 2024 में भी बसपा अपना ग्राफ बढ़ाए। ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव जीते।

भारत मंडपम में पानी भरना गंभीर मामला : सौरभ

» आप ने साधा उपराज्यपाल पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करने का सिलसिला निरंतर जारी है। दिल्ली सरकार ने इस मामले में उपराज्यपाल पर सवाल खड़ा नहीं किया, लेकिन दिल्ली में रविवार को बारिश होने के दौरान भारत मंडपम में पानी भरने पर दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना की कार्यशैली पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सौरभ भारद्वाज ने रविवार की सुबह भारत मंडपम में पानी जमा होने का एक वीडियो ट्वीट करके उपराज्यपाल को कटघरे में खड़ा किया।

उन्होंने भारत मंडपम में पानी भरने के मामले को बहुत गंभीर करार दिया। उन्होंने उपराज्यपाल से कहा कि आपके 50 से अधिक निरीक्षणों के बाद भी जी-20 शिखर सम्मेलन के मुख्य इलाके मंडपम में पानी भर गया। दिल्ली के मंत्री के तौर पर उनका वहां तक अधिकार नहीं है, अन्यथा वह आपकी मदद जरूर करते। उधर उनके ट्वीट करने के बाद भारत मंडपम में पानी भरने के मामले में लोगों के बीच प्रतिक्रिया करने में होड़ लग गई। कई लोगों ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि उपराज्यपाल को सच्चाई से अवगत कराना आवश्यक था। वहीं कई लोगों ने तर्क दिया कि जब उपराज्यपाल सारे कार्य का श्रेय ले रहे हैं तो खामी के लिए भी उनको जिम्मेदार ठहराना चाहिए, वहीं कुछ लोगों ने सौरभ भारत के इस कदम की निंदा की। उन्होंने कहा कि देश की प्रतिष्ठा के दावं पर लगे होने के मामले में टिप्पणी करना उचित नहीं होता। वहीं प्रदेश कांग्रेस ने भारत मंडपम में पानी भरने पर अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

नहीं हुआ जलभराव : एलजी कार्यालय

सम्मेलन के दौरान आई बारिश के बाद भी आयोजन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। भारत मंडपम पर राष्ट्रपति के रात्रिभोज के दौरान बारिश हुई थी। बारिश को देखते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आकस्मिक योजना को तुरंत सक्रिय कर दिया। उपराज्यपाल कार्यालय के मुताबिक, आईटीपीओ अधिकारियों ने उपराज्यपाल को बताया कि रविवार को सुबह पांच बजे भारत मंडपम के गेट नंबर 5 के पास पार्किंग क्षेत्र में रात भर हुई बारिश के कारण कुछ जलभराव हो गया। ऐसे में तत्काल हेवी ड्यूटी आकस्मिक पंपों का इस्तेमाल कर जलभराव दूर कर दिया गया। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले सम्मेलन के दूसरे सत्र के लिए कार्यक्रम स्थल को पहले की तरह साफ कर दिया गया।

भारत की पहचान गोडसे से नहीं, गांधी से है : संजय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। जी-20 शिखर सम्मेलन में आए राष्ट्राध्यक्षों के राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पर भाजपा पर अप्रत्यक्ष तौर पर आम आदमी पार्टी ने तंज कसा है। आप नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि दुनिया में भारत की पहचान गोडसे से नहीं, बल्कि महात्मा गांधी से है। आप नेता संजय सिंह ने दो अल-अलग ट्वीट में कहा कि पूरी दुनिया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आगे श्रद्धा से अपना सिर झुका लेती है। दरअसल पूरी दुनिया में भारत की पहचान अहिंसा है, बल्कि हिंसा नहीं। ये बात कट्टरपंथियों को समझने की जरूरत है। नफरत की बुनियाद पर दुनिया का कोई मुल्क आगे नहीं बढ़ सकता। लिहाजा हिंसा से विनाश और अहिंसा से विकास मिलेगा।

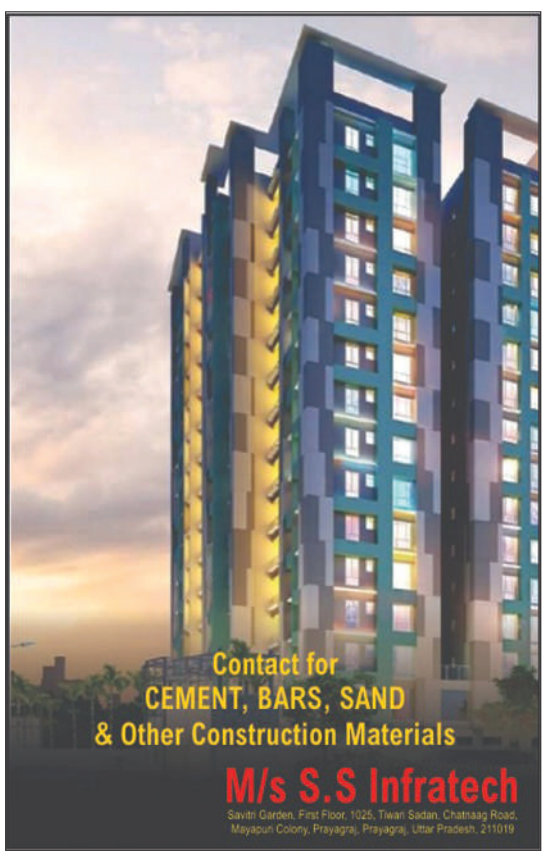

कर्नाटक के बाद आंध्र से भी मोदी को मिली चोट!

टीडीपी नेता चंद्रबाबू की गिरफ्तारी का पड़ेगा बड़ा असर

- दक्षिण भारत में बीजेपी के मंसूबे पर फिर सकता है पानी
- जगन ने एकतीर से किए कई निशाने
- शाह व भाजपा के रणनीतिकारों की बढ़ेगी टेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर व पश्चिम भारत में झटके खा रही भाजपा को दक्षिण से कई उम्मीदे थी पर आंध्रप्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी ने मोदी व शाह को टेंशन दे दी है। यह टेंशन उन्होंने टीडीपी व राज्य के सबसे बड़े नेता चंद्रबाबू नायडू को सीआईडी द्वारा गिरफ्तार करवाकर दिया है। दरअसल, कर्नाटक में सत्ता गंवाने के बाद बीजेपी दक्षिण भारत में अपनी खोई हुई जमीन को तलाशने में जुटी हुई है। इसी मद्देनजर वह जहां कन्नड़ नेता व पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की जेडीएस से गलबहियां करने की तैयारी कर रही है तो दूसरी ओर केरल व तमिलनाडु में अपने संगठन को मजबूत करने की जुगत में लगी हुई तभी तो वहां क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठजोड़ कर रही है।

वहीं आंध्र व तेलंगाना जैसै महत्वपूर्ण राज्य में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश में जुटी है। इसी सिलसिले में वह आंध्र के टीडीपी व वाईएसआर कांग्रेस दोनों ओर जाने के लिए आतुर है। हालांकि वाईएसआर कांग्रेस के जगन उसको ज्यादा तवज्जों नही देते हैं इसलिए वह चंद्रबाबू नायडू को अपने पाले में करने में लगी थी उसमे उसको कामयाबी भी मिली चंद्रबाबू भी संकेत दे चुके हैं कि वह एनडीए में शामिल हो सकते हैं। पर भ्रष्टाचार के मामले में उनकी गिरफ्तारी से भाजपा को फैसला लेने में असमंजस हो सकती है। खैर अभी तो आंध्र में नायडू की गिरफ्तारी के बाद सियासी तूफान उठा हुआ है आने वाला समय ही बताएगा कि वहां की सियासत कैसी करवट लेती है। गौरतलब हो कि आंध्रप्रदेश की सीआईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्राबाबू नायडू को नांदयाल से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी शनिवार सुबह हुई, जब तेलगूदेशम के प्रमुख चंद्राबाबू आराम कर रहे थे। गिरफ्तार करने के लिए खुद डीआईजी रघुरामी रेड्डी पुलिस के साथ पहुंचे थे। चंद्राबाबू नायडू पर आरोप है कि उन्होंने आंध्र प्रदेश स्टेट स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एपीएसएसडीसी) में घोटाला किया।

आंध्र में दखल नहीं चाहते जगन मोहन

2019 में जगन मोहन की वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्रप्रदेश की 22 लोकसभी सीट जीत ली। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव में भी अपने दम पर 151 सीटों पर कब्जा कर आंध्र में सरकार बनाई। चंद्राबाबू नायडू केंद्र और राज्य की राजनीति में काफी पीछे छूट गए। जगन मोहन रेड्डी केंद्र में नरेंद्र मोदी के करीबी बन गए। राज्यसभा में भी वाईएसआर कांग्रेस बीजेपी का साथ देती रही। कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर वह मोदी सरकार के संकटमोचक बने रहे। हाल ही में दिल्ली सर्विस बिल पर भी जगनमोहन की पार्टी ने केंद्र को सपोर्ट किया। जगन मोहन विपक्षी दलों को गठबंधन इंडिया का हिस्सा भी नहीं बने। मगर जगन की राजनीति का दूसरा पहलू यह है कि वह एनडीए में भी शामिल नहीं हुए। बताया जाता है कि बीजेपी ने उन्हें कई बार एनडीए में शामिल होने का ऑफर दिया, जिसे जगनमोहन ने ठुकरा दिया। जगनमोहन लोकसभा चुनाव के बाद खुद को किंगमेकर वाली पोजिशन में रखना चाहते हैं। उनकी रणनीति केंद्र की सरकार से मिलजुल कर राज्य की सत्ता को स्थिर रखने की है।

बीजेपी असमंजस में फंसी

जगनमोहन भले ही बीजेपी के करीबियों में है, मगर तेलगु राज्यों में पैर जमाने के लिए बीजेपी को एक पार्टनर की जरूरत है। पिछले दिनों चंद्राबाबू नायडू ने संकेत दिए थे कि वह एनडीए का हिस्सा हो सकते हैं। उन्होंने 2018 में एनडीए से एक्जिट होने पर भी खेद जताया था। आंध्र को विशेष राज्य के दर्जे को लेकर उन्होंने केंद्र सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। मगर लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद नायडू दोबारा एनडीए में वापसी की तैयारी कर रहे थे। हाल में ही उन्होंने नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की थी। चंद्राबाबू नायडू ने कहा कि देश के हित के लिए छोटी मांगों को नजरअंदाज किया जा सकता है। विपक्षी दलों को गठबंधन इंडिया बनने के बाद बीजेपी ने टीडीपी के लिए एनडीए का रास्ता खोलने का मन बना लिया था। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी और तेलगूदेशम सीट शेयरिंग फार्मूले पर बात चल रही है। अब करप्शन के मुद्दे पर चंद्राबाबू नायडू की गिरफ्तारी से बीजेपी असमंजस में फंस गई है। तेलंगाना में केसीआर के खिलाफ भ्राष्टाचार की लड़ाई लड़ रही भारतीय जनता पार्टी आंध्रप्रदेश में करप्शन के घिरे नायडू से कैसे तालमेल करेगी? जगन मोहन रेड्डी ने बीजेपी के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हालांकि बीजेपी आंध्र में एक्टर पवन कल्याण की पार्टी जनकल्याण सेना सेना से गठबंधन कर चुकी है, मगर वह राज्य में मजबूत स्थिति में नहीं है।

16 महीने जेल में रहना पड़ा था जगन को

जगनमोहन रेड्डी और चंद्राबाबू नायडू की राजनीतिक दुश्मनी 2012 में एक रिपोर्ट से शुरू हुई। जगन के पिता वाई चंद्रशेखर रेड्डी के निधन के बाद कांग्रेस ने के रोसैया को चीफ मिनिस्टर बना दिया। जगन के दावे की अनदेखी कर बाद में एन.किरन रेड्डी की ताजपोशी कर दी। जगन मोहन रेड्डी ने कांग्रेस से बगावत शुरू कर दी। तब कांग्रेस की सरकार ने वाईएसआर के कार्यकाल में रहे मंत्रियों की रिपोर्ट बनाई। इस रिपोर्ट में जगन की संपत्ति के बारे में छानबीन की गई। बताया जाता है कि कांग्रेस सरकार ने यह रिपोर्ट लीक कर दी और तेलगुदेशम ने जगन मोहन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाते हुए अभियान शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ा कि जगन की संपत्ति की जांच का जिम्मा सीबीआई और ईडी को सौंप दिया गया। इस मामले में जगन मोहन रेड्डी की गिरफ्तारी भी हुई। जगन 16 महीने जेल में रहे और सितंबर 2013 में बाहर निकले। 2019 में सत्ता में आने के बाद चंद्राबाबू नायडू के खिलाफ भी जांच शुरू कराई। सबसे पहले नायडू की करोड़ों की इमारत प्रजा वेदिका पर बुलडोजर चलवाया। सरकार का दावा था कि चंद्राबाबू नायडू का अमरावती में बना प्रजा वेदिका गैर कानूनी तरीके से बनाई गई है। फिलहाल चंद्राबाबू की गिरफ्तारी भी राजनीति रंग ले रही है।

आईपीसी की धारा 120 (बी), 166, 167, 418, 420, 465 समेत कई धाराओं में केस दर्ज

चंद्राबाबू नायडू की गिरफ्तारी उस समय हुई है, जब उनके दोबारा एनडीए में आने की चर्चा चल रही थी। नायडू पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम- 1988 के अलावा आईपीसी की धारा 120 (बी), 166, 167, 418, 420, 465 समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इन मामलों में जमानत का फैसला कोर्ट में हो सकता है। कोर्ट में साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण सोमवार को जमानत के मामले में सुनवाई होगी। आरोप गंभीर हैं, यह मामले बड़ी अदालतों का रुख कर सकता है। केस लंबा चलेगा। जगन मोहन रेड्डी सरकार का आरोप है कि स्किल डिवेलपमेंट के नाम पर आंध्र प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के छल किया गया। नौकरी देने के नाम पर यह सबसे बड़ा घोटाला है। अपने कार्यकाल के दौरान 2016 में चंद्रबाबू नायडू ने आंध्रप्रदेश में स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एपीएसएसडीसी) का गठन किया गया। युवाओं को स्किल डिवेलपमेंट के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाने का प्रावधान किया गया। सेंटर बनाने के लिए टेक कंपनियों से 3356 करोड़ रुपये के समझौते किए गए। तय किया गया कि टेक कंपनियां एक्सिलेंस सेंटर बनाने के लिए 90 फीसदी अनुदान देगी और 10 फीसदी राज्य सरकार खर्च करेगी। आरोप है कि स्किल डिवेलपमेंट के नाम पर टेक कंपनियों ने विदेशी में शेल कंपनियों में पैसे भेजे। जगन मोहन रेड्डी ने चंद्राबाबू नायडू के एक्सिलेंस मॉडल पर भी सवाल उठाए थे। जगन सरकार ने घोटाले का आरोप लगाते हुए पूछा था कि आखिर प्राइवेट टेक कंपनियां 90 फीसदी अनुदान क्यों देगी? 2021 में कौशल विकास निगम के मामले में केस दर्ज किया गया। अब इसमें चंद्राबाबू नायडू को आरोपी नंबर वन बनाया गया है।

राजस्थान के चुनावी रण में दम लगाएगी कांग्रेस

- गहलोत ने जनता के लिए खोला खजाना
- भाजपा को घेरने की तैयारी इंडिया गठबंधन करेगी रैली
- कांग्रेस ने प्रमुख चुनाव कमेटियों की घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं वैसे-वैसे सभी पार्टियां भी अपना दमखम दिखाने में जुटी हुई हैं। राजस्थान में चुनाव प्रचार का सिलसिला दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस समेत सभी पार्टियों के नेता जोरआजमाइश में लगे हैं। कांग्रेस पार्टी में राजस्थान में टिकट किसे मिले इसके लिए कई चरणों में मंथन चल रहा है। चुनाव के लिए नेताओं के दौरे भी लगाता बढ़ते जा रहे हैं। कांग्रेस की गहलोत सरकार ने जनता के लिए राज्य का खजाना खोल दिया है। वहींपहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में जनसभा की और अब दस सितंबर को प्रियंका गांधी राजस्थान के टोंक जिले की निवाई विधानसभा में जनसभा करने आ रहीं हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दस सितंबर से सचिन पायलट के गढ़ यानी टोंक विधानसभा सीट से चुनावी सभा की शुरुआत करेंगी। साल के अंत में राज्य में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर कांग्रेस ने अपनी प्रमुख चुनाव कमेटियों की घोषणा कर चुकी है। गोविंद राम मेघवाल को कैंपेन कमेटी प्रमुख बनाया गया है। वहीं, सीपी जोशी को घोषणापत्र कमेटी की जिम्मेदारी दी गई है।

दलित कोर वोट बैंक को साधने के प्रयास

ऐसे में प्रियंका गांधी का अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निवाई विधानसभा में दौरा बता रहा है कि पार्टी सबसे पहले अपने दलित कोर वोट बैंक को साधने के प्रयास में है। साथ ही अपनी जीती हुई सीटों को और मजबूत करना चाहती है। वैसे भी सचिन पायलट को प्रियंका गांधी का नजदीकी माना जाता है। अब 10 सितंबर को होने वाली प्रियंका गांधी की रैली में होस्ट की भूमिका में दिखेंगे। कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारों की लिस्ट को फाइनल किया जा रहा है। लिस्ट फाइनल नहीं हुई है। बता दें कि सूबे में चुनाव की तारीखों के एलान से पहले ही कांग्रेस एक्शन में आ गई है।

कांग्रेस कोर कमेटी में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी शामिल हैं। राजस्थान में अभी चुनाव प्रचार का एलान नहीं हुआ है. राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग तैयारियों में जुटा है। 9 सितंबर को राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए बनाई गई कोर कमेटी की पहली बैठक प्रस्तावित है। इस कोर कमेटी का कन्वीनर सुखजिंदर सिंह रंधावा होंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, सीडब्ल्यूसी सदस्य भंवर जितेंद्र, सचिन पायलट, हरीश चौधरी, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, मोहन प्रकाश और सीपी जोशी के साथ ही कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष गोविंद राम मेघवाल को भी इसमें रखा गया है।

प्रियंका गांधी करेंगी दौरे

निवाई सीट पर प्रियंका का दौरा टोंक और जयपुर की विधानसभा सीटों पर सीधा असर डालेगा। 2018 में ज्यादातर सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था। टोंक जिले में टोंक, देवली उनियारा, निवाई और मालपुरा चार विधानसभा सीटें आती हैं। कांग्रेस पार्टी का इस समय मालपुरा को छोड़कर बाकी तीनों सीटों पर कब्जा है। साथ ही प्रियंका गांधी का ये दौरा अब सीधे तौर दस जिलों पर असर डालने वाल है। कारण ये कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बार नए जिले भी बना दिए हैं। ऐसे में प्रियंका गांधी जनता से इन नए 6 जिलों का बखान जरूर करेंगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वैश्विक समस्याओं के निराकरण पर जोर

“ बहूपक्षवाद को पुनर्जीवित करने पर सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहा कि दूसरे सत्र की शुरुआत में शिखर सम्मेलन ने जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा को अपनाया है। नेता जिस घोषणा पर सहमत हुए हैं, वह मजबूत टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाने का प्रयास करता है और तदनुसार एक कार्य योजना लेकर आया है।

जी-20 की बैठक में भारत ने अपनी हजारों साल की विरासत का नजारा पेश करते हुए सारे विश्व से मानव कल्याण की बात की है। भारत के इसबात का लगभग सभी देशों की सहमति है। इस बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बैठक में वैश्विक समस्याओं के निराकरण पर पूरी तरीके से जोर रहा। बहूपक्षवाद को पुनर्जीवित करने पर सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहा कि दूसरे सत्र की शुरुआत में शिखर सम्मेलन ने जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा को अपनाया है। नेता जिस घोषणा पर सहमत हुए हैं, वह मजबूत टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाने का प्रयास करता है और तदनुसार एक कार्य योजना लेकर आया है। यह एक स्थायी भविष्य के लिए हरित विकास समझौते की परिकल्पना करता है, यह स्थायी विकास के लिए जीवनशैली पर उच्च स्तरीय सिद्धांतों, हाइड्रोजन के स्वैच्छिक सिद्धांतों, एक टिकाऊ लचीली नीली अर्थव्यवस्था के लिए चेन्नई सिद्धांतों और खाद्य सुरक्षा और पोषण पर डेक्कन सिद्धांतों का समर्थन करता है।

उन्होंने कहा कि जी20 की हमारी अध्यक्षता का संदेश है कि हम एक पृथ्वी हैं, एक कुटुम्ब हैं, हम एक भविष्य साझा करते हैं। भारतीय जी-20 प्रेसीडेंसी ने बात पर अमल किया है। भारत ने ऐसे समाधान तैयार किए हैं जो प्रत्येक जी20 सदस्य को पसंद आते हैं। शिखर सम्मेलन के कई नतीजे उन उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करेंगे जिनके साथ भारत ने बातचीत शुरू की थी। ग्लोबल साउथ की आवाज को व्यक्त करने के लिए 125 देशों से परामर्श किया गया। जी20 असाधारण, सामाजिक भागीदारी और हमारी संस्कृति को प्रदर्शित करने का मौका है। इसने भारत को विश्व के लिए तैयार किया। घोषणा मजबूत टिकाऊ संतुलन पर केंद्रित है, इसमें हरित विकास समझौते की परिकल्पना की गई है। इस बैठक के बाद पीएम मोदी ने कहा कि इसे सफल बनाने के लिए सभी मंत्रियों और अधिकारियों का अभिनंदन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक खुशखबरी मिली है कि हमारी टीम के कठिन परिश्रम और आप सबके सहयोग से जी 20 लीडर समिट के डिक्लेरेशन पर सहमति बनी है। मेरा प्रस्ताव है कि लीडर्स डिक्लेरेशन को भी अपनाया जाए। मैं भी इस डिक्लेरेशन को अपनाने की घोषणा करता हूं। हमारी सोच यही थी कि मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास हो, एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाई जाए। भारत की हरित विकास (ग्रीन डेवलपमेंट) पहल को मंजूरी दी जाए। 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थान पर जोर दिया जाए। बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने पर जोर मिले।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवीय नजरिये का विकास करे शिक्षा

अविजीत पाठक

इंग्लिश व्याकरण, थर्मोडायनामिक्स, मध्य-युगीन इतिहास या कंप्यूटर इंजीनियरिंग या फिर फायनेंशल मैनेजमेंट क्या इनसे परे शिक्षा में कुछ ऐसा है जिसको लेकर एक अध्यापक को चिंता होनी चाहिए? जब हमने हाल ही में शिक्षक दिवस मनाया है तो शायद यह सवाल बेमानी नहीं है। या फिर, वर्तमान कठिन और व्यावहारिक बने रहने वाले समय में, क्या हममें से अधिकांश अध्यापक समाज में तारी हो चुकी सोच से सहज हैं? बीएड या पीएचडी की डिग्री प्राप्त करो, अध्यापक पद के लिए आवेदन कीजिए और यदि खुशकिस्मत हुए तो नौकरी मिल जाएगी, फिर वही 9 से 5 की नौकरी एक विशेष ताना-बाना, आत्माविहीन ढर्रे की रोजमर्रा।

कोई हैरानी नहीं कि बतौर अध्यापक हममें से अधिकांश केवल पाठ्यक्रम पूरा करवाने, परीक्षाएं लेने, बड़े लोगों जैसे कि प्रधानाचार्य, कुलपति या राजनीतिक आकाओं की खुशामद करके खुद को सुरक्षित और स्थाई बनाने में लगे रहते हैं। जैसा कि कई लोग कहेंगे, आरामतलबी और इससे जुड़े भय के युग में, यह आसान नहीं है कि कोई शिक्षा के मायने पुन: निर्धारण करे या देखे कि क्या कोई अध्यापक कक्षा को मुक्त संवाद अथवा बंधनयुक्त माहौल में चलाता है। तथापि, बतौर एक अध्यापक, हर किस्म के भौतिक और प्रतीकात्मक हिंसा से भरे मौजूदा कठिन और असहिष्णु वक्त में, हमें हर हाल में दिल नहीं छोड़ना है और यह भावना कायम रखनी है कि अच्छा अध्यापक वह नहीं होता जो खुद को सुरक्षित रखने, पाठ्यक्रम पूरा करवाने या परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करवाने तक सीमित रहे। इसकी बजाय, वह तो एक ऐसा उत्प्रेरक है, जो मानववादी स्वभाव के फलने-फूलने में सहायक हो। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह इतिहास पढ़ाए या गणित, कविता या भौतिकी, एक अच्छा अध्यापक वही है जो एक शिष्य के अर्थ को 'जिंदगी भर सीखने वाले छात्र' में परिवर्तित कर दे और एक न्यायप्रिय एवं मानवीय दुनिया बनाने की खोज का पथिक हो। यहां अध्यापन के तीन मूल आदर्शों के बारे में बताना प्रासंगिक है।

पहला, कक्षा वैसी हो जहां पढ़ाई आलोचनात्मक शिक्षा शास्त्र की भावना के अनुसार वास्तव में स्पंदनशील, द्वितर्कपूर्ण और आत्मार्थक बने। यह तभी संभव है जब शिक्षक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएं और सीखने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाए कि

वे खुद को सवाल पूछने, खोज-पड़ताल करने और दुनिया को पुनर्भाषित करने लायक बनाएं। एक अच्छा अध्यापक बतौर सहयात्री अपने छात्रों के साथ मिलकर काम करता है और उनके साथ नए सवालों और संभावनाओं के जरिये दुनिया का अन्वेषण करता है। केवल रट्टा लगाने, सर्व-ज्ञाता अध्यापक का डर, छात्रों पर लादी निष्क्रियता, तमाम किस्म की एमसीक्यू मानक आधारित परीक्षाओं में सफल होने के दबाव से हटकर खुले माहौल में पढ़ाने-सीखने का अनुभव ही अलग है। सरल ढंग से समझाएं तो, युवा छात्र केवल इस किस्म के आलोचनात्मक शिक्षा-विज्ञान के जरिये वह बौद्धिकता और नैतिक साफगोई पा सकते हैं जो पितृसत्तात्मक व्यवस्था, जाति आधारित ऊंच-नीच, खोखले रीति-रिवाजों, अंधविश्वासी रिवायतों और भारी सामाजिक-आर्थिक असमानता पर सवाल उठाने लायक होती है। इसी प्रकार, यह आलोचनात्मक शिक्षा विज्ञान की करामाती शक्ति है जो सीखने वाले युवा को प्रोत्साहित करती है कि विज्ञान को विशुद्ध रूप से यांत्रिक या तकनीकी महारत पर आधारित तर्क में बंधने से बचाए और इसे वैज्ञानिक और मानववादी-स्वभाव में परिवर्तित करे वह जो तार्किक और सृजनात्मक बारीकियों से देखे, व्यवहार करे और जिसका दुनिया से सरोकार हो। दूसरा आदर्श, एक बढ़िया अध्यापक एकतरफा संवाद बनाने से बचता है, बहुलतावादी आयामों को प्रोत्साहित करता है और अपने विद्यार्थियों में सहानुभूति की ताकत को धार देने को प्रेरित करते हुए उनके अंदर धीरज से सुनने की कला रोपता है। कक्षा में परस्पर संवाद खत्म अर्थात लोकतंत्र की मौत। लोकतंत्र केवल समय-समय पर चुनाव करवाने की रिवायत नहीं है, बल्कि लोकतंत्र संवाद और विचारनीत है, यह विवादों को तार्किक बहस और अनेकवाद के प्रति संवेदनशीलता से सुलझाने की कला है।

बतौर अध्यापक, यह कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिये कि जब हम सुनने की कला को विकसित करते हैं तो जाति-पाति, जातीयता, राष्ट्रीयता और धर्म रूपी सीमाओं से बने दायरे को लांघ जाते हैं। हम महासागर सरीखा बन जाते हैं, जो तमाम धाराओं को समाहित कर ले। कल्पना करें कि एक हिंदू छात्र जलालुद्दीन रूमी के काव्यात्मक ज्ञान का आनंद ले।

फीकी पड़ी कैरेबियन क्रिकेट की चमक

टी-20 से भी वेस्टइंडीज बाहर हुई है। क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज की कमी जरूर खलेगी। यह इसी तरह है कि जैसे फुटबाल का विश्व कप हो और उसमें ब्राजील नहीं खेल रहा हो। देखा जाए तो जिम्बाब्वे से पराजित होने पर ही टीम का मनोबल टूट गया था। उसके पतन का अंदाजा वो क्रिकेट प्रेमी नहीं लगा सकते जिन्होंने सत्तर के दशक की वेस्टइंडीज की टीम को देखा हो।

वेद विलास उनियाल

गैरी सोबर्स, रोहन कन्हाई, ग्रिफिथ जैसे क्रिकेटरों ने जिस कैरेबियन क्रिकेट को ऊंचाई पर पहुंचाया था, उस पर सत्तर के दशक में क्लाइव लायड और उनके साथियों ने और सितारे जड़े। स्टार क्रिकेटरों की जो कमी आज कैरेबियन क्रिकेट झेल रहा है, कभी अपने स्टार खिलाड़ियों की बदौलत उसकी बादशाहत थी। लेकिन अब वेस्टइंडीज विश्व कप के लिए क्वालीफाई भी न कर सकी। वेस्टइंडीज का विश्व कप में खेलने का रास्ता किसी बड़ी टीम ने नहीं बल्कि स्काटलैंड जैसी टीम ने रोका है। उसे आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के सुपर सिक्स मुकाबले में जिम्बाब्वे ने भी पराजित किया। इससे वेस्टइंडीज की कमजोर तैयारी और परफेक्शन की कमी का पता चलता है। टी-20 से भी वेस्टइंडीज बाहर हुई है। क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज की कमी जरूर खलेगी। यह इसी तरह है कि जैसे फुटबाल का विश्व कप हो और उसमें ब्राजील नहीं खेल रहा हो। देखा जाए तो जिम्बाब्वे से पराजित होने पर ही टीम का मनोबल टूट गया था। उसके पतन का अंदाजा वो क्रिकेट प्रेमी नहीं लगा सकते जिन्होंने सत्तर के दशक की वेस्टइंडीज की टीम को देखा हो।

बेशक सत्तर के दशक में आस्ट्रेलिया के मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम जिस तरह तेज गेंदबाज लिली थामसन के सामने पस्त हो गई थी, लेकिन उसने ही उसे फिर से खड़ा होने के लिए प्रेरित किया था। वेस्टइंडीज के कप्तान लायड इस बात को समझ गए थे कि सबसे बेहतर बनना है तो पथरीली पिचों पर तूफान बरपाने वाली पेस बेटरी उनके पास होनी चाहिए। यही समय था जब कैरेबियन क्रिकेट विश्व कप के लिए भी तैयारी कर रही थी। इसी समय उन्हें भारत में उस टीम से भी खेलना था जिसमें बेदी, चंद्रा प्रसन्ना और वेंकटराघवन जैसे महान स्पिनर थे। यह जरूर था कि उस समय कप्तान नवाब पटौदी के साथ-साथ भारतीय बल्लेबाजी सुनील गावस्कर, फारुख इंजीनियर, विश्वनाथ, गायकवाड़ जैसे बल्लेबाजों पर टिकी थी।

यहां यह देखना दिलचस्प होगा कि पांच टेस्ट की शृंखला के लिए क्लाइव लाइड की यह टीम बहुत सुसज्जित थी। इसमें ग्रीनीज फ्रैड्रक्स जैसे ओपनर थे। मध्यक्रम में एल्विन कालीचरण और क्लाइव जैसे बल्लेबाज थे। इस टीम के निचले क्रम में आने वाले जूलियन बनार्ड, जूलियन बेनर्बन व होल्डर भी अच्छे रन बना लेते थे। उसके पास गेंदबाज एंडी रोबर्ट्स और होल्डर जूलियन जैसे तेज गेंदबाज थे। एक समय में ज्यादा विकेट लेने वाले बेहतरीन स्पिनर लांस गिब्स भी इसी टीम के हिस्सा थे। बेहद आकर्षक टेस्ट शृंखला को वेस्टइंडीज ने 3-2 से जीता था। इसी शृंखला से कैरेबियन क्रिकेट की अपनी अलग पहचान बन गई थी। जिस आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को टेस्ट शृंखला में 5-1 से रौंदा था, उसी वेस्टइंडीज ने पहले विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया को 17 रन से पराजित किया था। विश्व क्रिकेट में हालांकि आस्ट्रेलिया अपने तेज गेंदबाज और आला बल्लेबाजों के कारण सशक्त टीम रही। लेकिन क्रिकेट में धाक कैरेबियन क्रिकेट ने ही बनाई।

विश्व कप के बाद कैरेबियन क्रिकेट को रिचर्ड, हेंस, गार्नर, क्राफ्ट जैसे क्रिकेटर मिले। 1979 के दूसरे विश्व कप में कैरेबियन टीम अपने को साबित करने नहीं बल्कि विश्व विजेता के अंदाज में मैदान में उतरी थी। निश्चित रूप से दूसरे विश्व कप को रिचर्ड की पारियों के लिए भी याद रखा जाएगा। कैरेबियन क्रिकेट टीम केरी पैकर्स के चलते जरूर एक बार डगमगाई थी। तब कालीचरण के नेतृत्व वाली उस टीम में पुरानी झलक नहीं थी। वेस्टइंडीज की क्रिकेट का एक युग मैल्कम मार्शल का भी रहा है। उनकी तेज रफ्तार वाली गेंदों पर विकट गिरते नहीं चटकते थे। कैरेबियन क्रिकेट को आगे भी दिग्गज खिलाड़ी मिलते रहे। लेकिन जिन्हें नायक माना जाता है उनमें ब्रायन लारा और गेल जैसे खिलाड़ियों के करिश्मे हैं। कैरेबियन क्रिकेट का जिक्र एंब्रोस और कार्टनी वाल्श के बिना भी पूरा नहीं होता। यही कैरेबियन टीम टेस्ट मैच से लेकर वन डे में अपनी धाक जमाती आई। लेकिन बदलते वक्त में इसने अपनी रफ्तार, धार, लय सब खोई। यह कहानी कुछ-कुछ भारतीय हॉकी की तरह है। भारतीय हॉकी फिर लय में आती दिख रही है। लेकिन कैरेबियन क्रिकेट संभलता नहीं दिख रहा है। जिस कैरेबियन टीम में एंडी रोबर्ट्स या माइकल होल्डिंग अकेले ही विपक्षी टीम पर छा जाते थे या चुइंगम चबाते-चबाते रिचर्ड पूरा खेला कर देता था, वह टीम अब स्काटलैंड से पस्त हो जाती है।

कैरेबियन टीम के डगमगाने की वजह माना जा रहा है कि अच्छे खिलाड़ी टी-20 को महत्व देने लगे हैं। टी-20 में पैसे की चमक ने कैरेबियन क्रिकेटरों को ललचा दिया। देश के लिए खेलना उनके लिए अहम नहीं रहा। कैरेबियन क्रिकेट में न तो अब संतुलन दिखता है न बेहतर रणनीति। वो दिन न जाने कहां चले गए जब कहा जाता था कि पोर्ट ऑफ स्पेन, जमैका, गुयाना, जार्जटाउन के बच्चे समुद्री इलाकों में समुद्री रेत में गेंद पटक-पटक कर बल्लेबाज के कंधे तक गेंद को लाने का अभ्यास करते थे।

दमकती त्वचा के लिए लगाएं दही से बने फेस पैक

दही सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नियमित रूप से इसे डाइट में शामिल करने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी आपको कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाता है। दही स्किन के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आप इसके इस्तेमाल से घर पर कई तरह के फेस पैक बना सकते हैं। इन्हें चेहरे पर लगाने से आपको स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है। दही में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा को पोषण देने का काम कर सकते हैं। दही में सेलेनियम और विटामिन-ए होता है । यह डीएनए को रिपेयर करके एजिंग और फोटो एजिंग दोनों से बचा सकता है। यह त्वचा को यूवी रेज से भी बचा सकता है।

दही और नींबू

यह फेस पैक आपकी त्वचा की रंगत को निखारता है। इसे पैक को बनाने के लिए दही में नींबू का रस मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद पानी से धो लें। इसके अलावा त्वचा की सभी समस्याओं को दूर करने के लिए नींबू के रस में ग्लिसरीन और गुलाब जल मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं। जब ये सूख जाये तो इसे गुनगुने पानी से धो लें। इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा से जुड़ी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी और आपकी त्वचा में निखार आएगा।

हल्दी और दही

इस फेस पैक के इस्तेमाल से आप ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। इसे बनाने के लिए दही में आधा चम्मच हल्दी मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद पानी से धो लें।

बेसन और दही

जिन लोगों को ऑयली स्किन की समस्या है, वो इस फेस पैक का जरूर इस्तेमाल करें। इसके लिए 2 बड़े चम्मच दही में एक बड़ा चम्मच बेसन मिलाएं। इस मिश्रण से गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद धो लें। अक्सर तेज धूप की वजह से गर्मी के दिनों में हमारे स्किन पर टैनिंग की समस्या उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में यदि आप बेसन को अपने चेहरे पर फेस पैक के तौर पर इस्तेमाल करें, तो आपकी यह समस्या आसानी से दूर हो सकती है।

दही और शहद

यह फेस पैक ड्राई स्किन के लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। इसे बनाने के लिए एक बाउल में 2 बड़े चम्मच दही लें, इसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। लगभग 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। शहद को त्वचा पर क्लींजर की तरह और फेस मास्क की तरह यूज करके आप बहुत ज्यादा चमकती और दमकती त्वचा पा सकते हैं।

दही और ओट्स

लाने के लिए ओट्स और दही का फेस पैक काफी फायदेमंद माना जाता है। साथ ही दही लगाने से स्किन पर नमी भी बनी रहती है। ओट्स में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। इसे दही के साथ मिलाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। लगभग 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। आप इस पैक के इस्तेमाल से ब्लैकहेड्स और पिंपल्स से राहत पा सकते हैं। ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स को दूर करने के लिए ओट्स और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक काफी फायदेमंद माना जाता है। झुर्रियों की शिकायत को दूर करने के लिए पपीता और ओट्स का फेस पैक लगाना काफी लाभदायक साबित होता है।

हंसना मना है

प्रेमी और प्रेमिका छत पर बैठे थे। चांदनी छिटकी हुई थी, अचानक प्रेमिका बोली- मेरी इच्छा है कि मैं अगले जन्म में चांद बनूं। प्रेमी- हा! प्रिय मेरी इच्छा है कि मैं चांद पर उतरने वाला पहला अन्तरिक्ष यात्री बनूं।

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया। प्रेमिका- परन्तु प्रिय, एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता। प्रेमी - कोई बात नहीं मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं, मैं कवि हूं, मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

प्रेमिका-मोहब्बत के मारे को आत्महत्या से रोकने का एक ही तरीका है शादी। प्रेमी-और शादी से बचने का सिर्फ एक ही तरीका है। आत्महत्या।

लड़का-तुम्हारा नाम क्या है? लड़की- मीना, और तुम्हारा? लड़का-कमीना लड़की-धत् ये भी कोई नाम होता है? लड़का-ले! यकीन नहीं आता तो 10 मिनट मेरे पास बैठकर देख ले! तू खुद मुझे इसी नाम से बुलाएगी!

लड़की- मुझे ऐसे क्यूं देख रहे हो, घर में मां-बहन नहीं हैं क्या? लड़का- हैं इसलिए तो देख रहा हूं। लड़की- क्या मतलब? लड़की- दरअसल मेरी छोटी बहन को भाभी चाहिए।

कहानी — गृहस्थ या साधु

एक व्यक्ति कबीरजी के पास गया और बोला-मेरी शिक्षा तो समाप्त हो गई। अब मेरे मन में दो बातें आती हैं, एक यह कि विवाह करके गृहस्थ जीवन यापन करूं या संन्यास धारण करूं? इन दोनों में से मेरे लिए क्या अच्छा रहेगा यह बताइए? कबीरजी ने कहा दोनों ही बातें अच्छी है जो भी करना हो, वह सोच-समझकर करो और वह उच्चकोटि का हो। उस व्यक्ति ने पूछा उच्चकोटि का कैसे है? कबीरजी ने कहा- किसी दिन प्रत्यक्ष देखकर बतायेंगे वह व्यक्ति रोज उत्तर प्रतीक्षा में कबीर के पास आने लगा। एक दिन कबीरजी सूत बुन रहे थे। प्रकाश काफी था कबीर साहेब ने अपनी धर्म पत्नी को दीपक लाने का आदेश दिया। वह तुरन्त बिना किसी सवाल के जलाकर लाई और उनके पास रख गई। दीपक जलता रहा वे सूत बुनते रहे। सायंकाल को उस व्यक्ति को लेकर कबीरजी एक पहाड़ी पर गए। जहां काफी ऊंचाई पर एक बहुत वृद्ध साधु कुटी बनाकर रहते थे। कबीरजी ने साधु को आवाज दी। महाराज आपसे कुछ जरूरी काम है कृपया नीचे आइए। बूढ़ा बीमार साधु मुश्किल से इतनी ऊंचाई से उतर कर नीचे आया। कबीर जी ने पूछा आपकी आयु कितनी है यह जानने के लिए नीचे बुलाया है। साधु ने कहा अस्सी बरस। यह कह कर वह फिर से ऊपर चढ़ा। कबीरजी ने फिर आवाज दी और नीचे बुलाया। उससे पूछा- आप यहां पर कितने दिन से निवास करते है? चालीस वर्ष से। फिर जब वह कुटी में पहुंचे तो तीसरी बार फिर बुलाया और पूछा- आपके सब दांत उखड़ गए या नहीं? आधे उखड़ गए। चढ़ने उतरने से साधु की सांस फूलने लगी, वह बहुत अधिक थक गया था फिर भी उसे क्रोध तनिक भी न था। अब कबीरजी अपने साथी समेत घर लौटे तो साथी ने अपने प्रश्न का उत्तर पूछा। तुम्हारे प्रश्न के उत्तर में यह दोनों घटनायें उपस्थित है। यदि गृहस्थ बनाना हो तो ऐसे जीवनसाथी का चयन करना चाहिये जो हम पर पूरा भरोसा रखें और हमारा कहना सहजता से मानें, कि उसे दिन में भी दीपक जलाने की मेरी आज्ञा अनुचित नहीं मालूम पड़ी ,उसनें व्यर्थ कुतर्क नहीं किया और साधु बनना हो तो ऐसा बनना चाहिए कि कोई कितना ही परेशान करे क्रोध व शोक न हो, हम सहज रहें।

7 अंतर खोजें

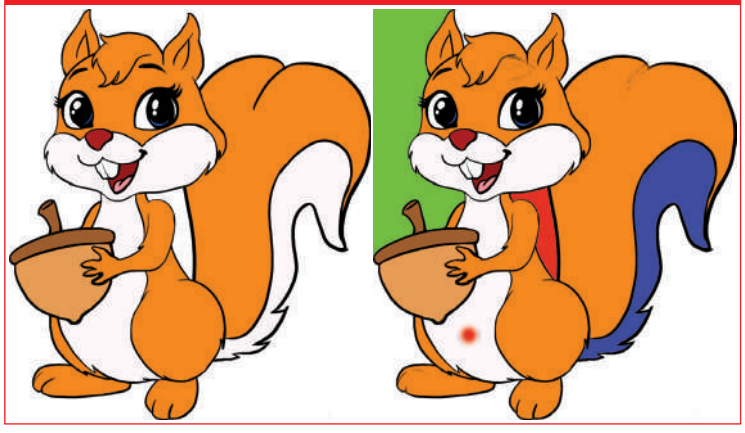

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है।

वृषभ

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह

किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या

धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक

किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ

दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

ग्रामीण भारत की झलक दिखाती

लापता लेडीज का टीजर हुआ रिलीज

आमिर खान और किरण राव की बहुप्रतीक्षित लापता लेडीज का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है। ये फिल्म दो युवा खोई हुई दुल्हनों की तलाश के आसपास पैदा हुई गड़बड़ी की एक झलक देती है। हाल ही में निर्माताओं ने एक दिलचस्प पोस्टर के साथ किरण राव के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया था जो 5 जनवरी 2024 है। अब फिल्म का टीजर रिलीज उस उत्साह को बढ़ाने के लिए एक परफेक्ट तोहफे के रूप में आया है। ये फिल्म इसलिए भी खास हो जाती है, क्योंकि इसके साथ आमिर खान और किरण राव फिर से एक साथ आए हैं। वहीं बतौर निर्देशक धोबी घाट के बाद किरण की अगली पेशकश भी है।

इस फिल्म का टीजर बेहद एंटरटेनिंग लग रहा है, यह हमें ग्रामीण भारत की झलक देती। लापता लेडीज दो लापता दुल्हनों की तलाश के इर्द-गिर्द बसी एक मजेदार कहानी को दर्शाती है,

इसका हर फ्रेम में ह्यूमर लाता है। फिल्म की कहानी नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन की कास्ट के साथ अच्छी तरह से सजी हुई है। ये टीज़र सब कुछ कहता है। कह सकते हैं किरण राव एक निर्देशक के रूप में दर्शकों के सामने एक और दिलचस्प कहानी पेश करने के लिए तैयार हैं। लापता लेडीज को रिलीज से पहले 8 सितंबर को प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में ग्रैंड प्रीमियर के दौरान दिखाया गया। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है। इसका स्क्रीनप्ले और डायलॉग स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं।

बॉलीवुड **मन की बात**

सीरियल से शो से पर्सनल टारगेट हो रही हूं: एमी त्रिवेदी

टीवी का सबसे चर्चित सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है पिछले 15 साल से लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। शो को एंटरटेनिंग रखने के लिए मेकर्स आए दिन ट्विस्ट एंड टर्नस लाते रहते हैं। वहीं स्टार प्लस का ये पॉपुलर शो इन दिनों खूब चर्चाओं में बना हुआ है। शो में जल्द ही जेनेरेशन लीप आने वाला है। इसी बीच सीरियल में मंजरी का रोल निभा रही एमी त्रिवेदी ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई लोग अब उन्हें पर्सनली टारगेट कर रहे हैं। हाल ही में बॉलीवुड लाइफ को दिए एक इंटरव्यू में एमी ने कहा कि लोग अब मुझे पर्सनली अटैक कर रहे हैं। भद्दे कमेंट्स कर रहे हैं। कई महिलाएं मुझे बुरा भला कह रही हैं। लेकिन कोई बात नहीं। एमी ने आगे ये भी कहा लोगों ने मुझे मैसेज करके ये भी बोला गया है कि जब आपका बेटा आपको छोड़कर जाएगा, तब आपको भी पता चलेगा। वहीं मैंने उन्हें रिप्लाई में लिखा कि आप कौन से जमाने में जी रहे हैं। मैं सिर्फ एक्टिंग कर रही हूं। आप क्यों इतना पर्सनल हो रहे हैं। एमी ने कहा कि जब कोई मेरे परिवार या मेरे बच्चों पर अटैक करता है, तो मुझे फर्क पड़ता है। आपको जो कुछ भी कहना है मुझे कहो, मेरे परिवार को नहीं। बता दें कि शो में मंजरी अक्षरा और अभिमन्यु को साथ नहीं देखना चाहती है। यही वजह से है कि दोनों के फैंस मंजरी से नफरत करते हैं। वहीं अब नफरत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोग अब मंजरी को पर्सनल लेवल पर टारगेट कर रहे हैं।

सामंथा प्रभु और विजय देवरकोंडा की फिल्म कुशी ने तोड़ा दम

सामंथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा की फिल्म कुशी को रिलीज हुई एक हफ्ता हो चुका है। इस रोमांटिक फिल्म को काफी पसंद किया गया है। सामंथा और विजय की जोड़ी ने एक बार फिर फैंस को इंप्रेस कर दिया है। फिल्म ने वीकेंड पर शानदार कमाई की है लेकिन वीकडेज के साथ ये कमाई घटती चली गई है। शानदार ओपनिंग करने वाली कुशी को अब 50 करोड़ के क्लब में एंट्री करना भी मुश्किल हो रहा है।कुशी का आठवें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। कुशी की कमाई अब लाखों में सिमट कर रह गई है। दिखाई गई है जो घरवालों की मर्जी के बिना शादी करते हैं लेकिन असली प्रॉबल्म्स शादी के बाद शुरू होती हैं। जिसे समझ पाना मुश्किल होता है। इस नई लव स्टोरी को काफी पसंद किया गया है। हालांकि अब कलेक्शन गिरता जा रहा है।

सामंथा और विजय की फिल्म कुशी ने आठवें दिन बहुत ही खराब कलेक्शन किया है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने 45 लाख का कलेक्शन किया है जिसके बाद टोटल कलेक्शन 41।97 करोड़ हो गया है। फिल्म को 50 करोड़ के क्लब में शामिल होना भी मुश्किल हो रहा है। कुशी ने सातवें दिन भी 75 लाख का बिजनेस किया था। कुशी की बॉक्स ऑफिस पर कमाई सोमवार से ही कम होने लगी थी। अब शाहरुख खान की जवान भी रिलीज हो गई है। ये फिल्म हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू में भी रिलीज हुई है तो इसके सामने कुशी का टिकना काफी मुश्किल है। अच्छी खासी फिल्में जवान के सामने दम तोड़ रही हैं। कुशी को शिव निर्वाण ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में सामंथा और विजय के साथ सचिन खेडेकर, सरन्या पोनवन्नन, मुरली शर्मा, लक्ष्मी और राहुल रामकृष्ण अहम किरदार निभाते नजर आए हैं।

ये है जीवन का पेड़, हजारों सालों तक रहता है जिंदा, लाखों साल पुराना है इतिहास

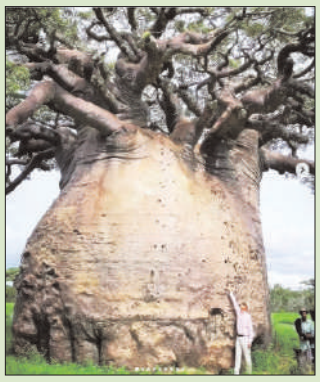

पौराणिक लोक कथाओं में आपने अमृत के बारे में सुना होगा। इस अमृत से इंसान की जिंदगी के साल बढ़ जाते हैं। इंसान अगर अमर होना चाहता तो भगवान से अमृत मांगता था। कलियुग में ऐसे अमृत की मात्र कल्पना की जा सकती है। आज के समय में तो अमृत की मात्र कल्पना की जा सकती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अमरता का पेड़ कहलाता है। ये पेड़ अफ्रीका में पाया जाता है। अब यहां से फैलते हुए उसने कई अन्य देशों में भी अपनी जगह बना ली है।

इस पेड़ का नाम है बाओबाब। ये बाद हजारों साल तक जिंदा रहते हैं। इन्होने खुद को प्रकृति में ऐसे ढाल लिया है कि गर्मी हो चाहे कड़ाके की ठंड, ये कहीं भी फैलने लगते हैं। खासकर अफ्रीका और मेडागास्कर एरिया में ये पेड़ काफी विशाल बन जाते हैं। ये पेड़ पानी को सोंख कर उसे अपने तने में स्टोर करते हैं। बारिश के मौसम में ये पेड़ पानी को सोख लेते हैं और में जमा कर लेते हैं। सुखा पड़ने पर इसी पानी का इस्तेमाल किया जाता है। ये एक ऐसा पेड़ है जिसका उपयोग तीन सौ से अधिक कामों में होता है। इसके फल और तने से लेकर इसकी जड़ें भी काफी उपयोगी हैं। इस वजह से ही इसका नाम जीवन देने वाला पेड़ रखा गया है। इसके अलावा इसे अमरता का पेड़ भी कहा जाता है। बात अगर इसके अस्तित्व की करें तो ये पेड़ आज से दो हजार मिलियन साल पुराना बताया जा रहा है। कुछ यूरोपीय एक्सप्लोरर्स का कहना है कि ये पेड़ पांच हजार साल तक जिंदा रहते हैं। वहीं कुछ इसकी अवधी तीन हजार साल बताते हैं। बाओबाब के पेड़ काफी बड़े होते हैं। कुछ पेड़ तो सौ फीट तक की लंबाई खींचते हैं। ये इतने बड़े होते हैं कि इसके छांव में कई जीव अपना घर बना लेते हैं। बाओबाब पेड़ अफ्रीका के इकोसिस्टम के लिए भी काफी जरुरी हैं। ये मिट्टी को नर्म रखने, सॉइल इरोजन को कम करने में मदद करते हैं। अब आपको बताते हैं इस पेड़ की एक खास बात। इस पेड़ पर एक खास तरह का सफेद फील लगता है जो रात को ही खिलता है। इसके बाद चौबीस घंटे में ये फूल झड़ भी जाता है। पेड़ वजह से भी चर्चा में है।

अजब-गजब **भारत मंडपम में लगी नटराज की प्रतिमा की क्या है खासियत**

चोल साम्राज्य से संबंध है 18 टन वजनी अष्टधातु की इस नटराज की प्रतिमा का

जी 20 के कार्यक्रम के लिए प्रगति मैदान के भारत मंडपम को बेहद खूबसूरत सजाया गया है। भारत मंडपम में लगाई गई नटराज की प्रतिमा ने सभी की ध्यान अपनी तरफ खींचा है। नटराज की यह प्रतिमा अष्टधातु से बनाई गई है और दुनिया में सबसे ऊंची मूर्ति है। नटराज को भगवान शिव का रूप माना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव इस रूप में तांडव नृत्य की एक मुद्रा में हैं। यह मूर्ति 27 फीट ऊंची और 18 टन वजनी है।

तमिलनाडु के स्वामी मलाई के प्रसिद्ध मूर्तिकार राधाकृष्णन स्थापति और उनकी टीम ने नटराज की इस मूर्ति को बनाया है। चोल साम्राज्य के समय से राधाकृष्णन के पूर्वज मूर्तियां बनाते आ रहे हैं। 18 टन वजनी यह मूर्ति अष्टधातु- कॉपर, जिंक, लीड, टिन, सिल्वर, गोल्ड, मरकरी और आयरन से बनाई गई है। इसको बनाने में करीब 10 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। दावा है कि अष्टधातु से बनी यह दुनिया की सबसे ऊंची नटराज की मूर्ति है।

इस मूर्ति का लॉस्ट वैक्स मेथड से निर्माण किया गया है। इस विधि से चोल साम्राज्य में भी मूर्तियों को बनाया जाता था। लॉस्ट-वैक्स मेथड को छह हजार साल से ज्यादा पुराना माना जाता है। सदियों तक लॉस्ट वैक्स मेथड से धातु की मूर्तियां बनाई जाती रहीं। चोल साम्राज्य में इस

मेथड का खूब इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मेथड के तहत सबसे पहले वैक्स यानी मोम का मॉडल तैयार किया जाता है। फिर इसको कावेरी नदी के तट की खास मिट्टी से कवर करते हैं। कई बार इस तरह किया जाता है। इसके बाद जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो फिर मोम को पिघलाया जाता है। जब अंदर का मोम पिघल जाता है और फिर एक खोखला खाका तैयार होता है। इसके बाद इस खोखले ढांचे को पिघली हुई धातु से भरा जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत मंडपम में लगाई गई नटराज की मूर्ति थिल्लई नटराज मंदिर, उमा माहेश्वरार मंदिर और बृहदेश्वर मंदिर में स्थापित मूर्तियों से प्रेरित है। इन तीनों मंदिरों का चोल साम्राज्य में 9वीं से 11वीं सदी के बीच निर्माण किया गया था। चोल साम्राज्य का इस दौरान भारत के एक बड़े इलाके तक शासन था। चोल साम्राज्य में कला और संस्कृति को बहुत बढ़ावा मिला। माना जाता है कि चोल भगवान शिव के कट्टर भक्त थे। उन्होंने अपने शासन के दौरान भगवान शिव के कई मंदिरों का निर्माण कराया, लेकिन पहली बार पांचवीं सदी में नटराज के रूप में भगवान शिव की मूर्ति बनाई गई थी। वर्तमान में नटराज की जो मूर्ति दिखती हैं, वो चोलों के साम्राज्य में ही बनाई गई थीं। चोलों ने ही नटराज की तांबे की मूर्तियां बनवाई थीं। चोल साम्राज्य सबसे शक्तिशाली राजवंश में से एक है। दक्षिण भारत से लेकर आसपास के देशों तक चोलों का साम्राज्य था। विजयालय ने चोल साम्राज्य की स्थापना की थी। विजयालय ने 8वीं सदी में पल्लवों को हरा दिया था और तंजौर साम्राज्य पर कब्जा कर लिया था। विजयालय के उत्तराधिकारियों ने पड़ोसी क्षेत्रों को जीत लिया और चोलों का इलाका और शक्ति बढ़ती चली गई।

राजस्थान के टोंक जिले के निवाई में चुनावी जनसभा में बोलीं प्रियंका गांधी

भाजपा सरकार आई तो सारी योजनाएं बंद कर देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने राजस्थान के टोंक जिले के निवाई में झिलाय से अपनी पहली चुनावी जनसभा की शुरुआत करते हुए लोगों को खौफ दिखा दिया। प्रियंका ने कहा-अगर, प्रदेश में भाजपा की सरकार आई तो गहलोत सरकार ने जो भी जनहित की योजनाएं दी हैं, वह सब बंद कर देगी। इसलिए आप सोच समझकर ही वोट करें। प्रियंका गांधी ने कहा कि राजस्थान में जिस तरह 5 साल कांग्रेस सरकार ने राज किया, वैसी ही सरकार आपको वापस लानी है। जो आमजनता को राहत दे। इससे पहले प्रियंका गांधी ने राजस्थानी में भाषण की शुरुआत करते हुए डिग्गी कल्याणजी और धन्ना भगत के जयकारे लगवाए।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को राहत पहुंचाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जब विदेश दौरे पर जाते हैं तो उसके बाद उन देशों से उन चुनिंदा उद्योगपतियों से काम मिलते हैं। उन्होंने कहा- मोदीजी अपने आपको भूमि पुत्र कहते थे और आज वो करोड़ों के काफिले में चल रहे हैं। राजस्थान के टोंक जिले के निवाई विधानसभा क्षेत्र में प्रियंका गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार और पीएम पर सियासी आरोप लगाए।

केंद्र से पूछो इतनी महंगाई क्यों ?

प्रियंका गांधी ने कहा- आज महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर 1000 रुपए का है, इसे गरीब आदमी कैसे खरीदेगा? केंद्र सरकार से पूछना चाहिए इतनी महंगाई क्यों है? राजस्थान सरकार जनता को जो दे रही है वह पब्लिक का हक है। आज मैं एक लड़की से मिली, जिसके हाथ में मोबाइल था। उसने कहा कि मुझे गहलोत सरकार ने ये मोबाइल दिया है। राजस्थान सरकार मोबाइल दे रही है और भी कई चीजें दे रही है, राजस्थान सरकार आपको जो दे रही है, वो आपका हक है।

प्रियंका ने कहा- लोग सत्ता में आते ही भूल जाते हैं कि उन्हें सत्ता में कौन लाया है? महंगाई से आम जनता को निजात दिलाने के लिए राजस्थान सरकार राहत कैंप लगा रही है। महिलाओं को मोबाइल भी मिल रहा है। सरकार जो दे रही है, वह उनका हक है।

गांधी परिवार से डरे हुए हैं मोदी और शाह : गहलोत

सीएम अशोक गहलोत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा- राजस्थान सरकार ने हर क्षेत्र में फैसले लेने में कमी नहीं छोड़ी। जो घोषणाएं बजट में की थीं, उन सबको लागू कर दिया है। इस बार माहौल ऐसा बन गया है कि लगता है सरकार रिपीट होगी। सीएम बोले- मनरेगा ने पीएम की बोलती बंद कर दी। हमने यूपीए सरकार के बनाए कानूनों की तर्ज पर अधिकार आधारित युग की शुरुआत की है। राइट टू सोशल सिक्योरिटी कानून की दिशा में काम किया है। अब केंद्र सरकार भी यह कानून बनाए और प्रियंका गांधी इसकी पैरवी करें। सीएम ने कहा मैं पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि वो गांधी परिवार से डरे क्यों रहते हैं? आपको बार-बार गांधी परिवार का नाम लेने की जरूरत क्यों पड़ती है ? गांधी परिवार ने देश लिए कुर्बानियां दी हैं। जनता अब समझ चुकी है।

असली देशभक्त कांग्रेस के लोग : रंधावा

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि कांग्रेस के लोग असली देशभक्त हैं। कांग्रेस ने देश के लिए कुर्बानियां दी हैं। बीजेपी वाले पूछते हैं 70 साल में क्या हुआ ? लेकिन इनका तो आजादी के वक्त जन्म भी नहीं हुआ था। केंद्र सरकार कांग्रेस को डरा नहीं सकी है। जब हम अंगेजों से नहीं डरे। तो हम सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी से भी डरने वाले नहीं हैं। केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई को कल भेजेगी, तो आज ही भेज दे, हम डरेंगे नहीं, हम लड़ेंगे।

केंद्र से मिले रुपये के ब्याज पर राज्य सरकार ने किए मजे : मीणा

दौसा। बीजेपी सांसद जसकौर मीणा ने मंत्री मुरारीलाल मीणा और प्रदेश सरकार पर दौसा को विकास से वंचित रखने के आरोप लगाए हैं। सांसद ने कहा कि केंद्र के हजारों करोड़ रुपये के तीन साल के ब्याज पर राज्य सरकार ने मजे किए हैं, लेकिन दौसा में विकास नहीं करवाया। दौसा सांसद जसकौर मीणा ने परिवर्तन यात्रा के दौरान कहा कि राजस्थान की गहलोत सरकार को केंद्र सरकार ने हजारों करोड़ रुपये जनता को नल से जल के लिए दिए थे, जो राजस्थान की सरकार ने तीन साल तक काम में नहीं लिए और उस पैसे को बैंक में रखा, उन्हीं पैसों के ब्याज पर राजस्थान की सरकार होटलों में मजे करती रही।

ट्रांसजेंडर्स ने निकाली गौरव यात्रा

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार ट्रांसजेंडर गौरव यात्रा प्राइड का आयोजन रविवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर आयोजित हुई। इसका आयोजन अंबेडकर पार्क चौराहा गोमती नगर से शुरू होकर 1090 चौराहे पर पदयात्रा समाप्त हुई।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में किन्नर समाज के बीच में और जनमानस के बीच में सामंजस्य व संविधान प्रदत्त गरिमा, न्याय, समता के अधिकार को बताना है। उपरोक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ आसपास के राज्यों से काफी लोग आए। इस कार्यक्रम में एसिड अटैक महिलाएं भिक्षावृत्ति छोड़ चुके बच्चों द्वारा डांस एवम नाटक किन्नर समाज, ट्रांसजेंडर एवं एलजीबीक्यूआई वर्ग के लोग व वेश्यावृत्ति समाज के लोग हिस्सा लिए। इस अवसर पर प्रियंका सिंह रघुवंशी अध्यक्ष आदिशिव फाउंडेशन, अदनान आदिल वाइनवुड फैशन एंड इवेंट एसोसिएशन, उम्मीद संस्था, बलबीर सिंह मान, प्रिंस स्टूडियो अलीगंज, अभया कपूर मल्लिका मिश्रा, गुड्डन मंगलामुखी, विश सिंह, मो अरशद, हिमांशु, मी सलीम मौजूद रहे।

बस और कार की भिड़ंत, एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भरतपुर । राजस्थान के भरतपुर जिले में बीती रात दर्दनाक हादसा हुआ। बस और कार में हुई जबरदस्त भिड़ंत में छह लोगों की जान चली गई। हादसा रूपावास में देर रात हुआ। हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई।

परिवार के लोग एकादशी के मौके पर सीकर के रींगस इलाके में स्थित खाटू श्याम जी के दर्शन कर लौट रहे थे। बस और कार में टक्कर की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार में सवार छह लोगों की मौत हो चुकी थी। टक्कर के बाद कार पूरी तरह से पिचक गई जिस वजह से अंदर फंसे लोगों के शव बुरी तरह से फंस गए। शवों को कार से निकालने काफी मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार परिवार खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए कार से गया था। वहां से लौटते समय हादसा हो गया। हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

मराठा आरक्षण का समाधान चर्चा से ही निकलेगा : अजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को मुंबई में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। मुंबई से लगभग 380 किलोमीटर दूर कोल्हापुर शहर में रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मराठा समुदाय को आरक्षण देते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग प्रभावित न हो। केवल चर्चा और बैठकों से ही इस मुद्दे का समाधान होगा।

उन्होंने कहा कि आरक्षण मुद्दे पर चर्चा के लिए सोमवार को मुंबई में सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पिछले 13 दिनों से इस मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। राज्य सरकार और जारांगे के बीच अब तक कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन सभी बेनतीजा रही है। आपको बता दें कि साल 2018 में महाराष्ट्र सरकार ने कानून बनाकर मराठा समुदाय को 13त्न आरक्षण दिया था, मगर मई 2021 में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने मराठा आरक्षण पर रोक लगा दी और कहा कि आरक्षण को लेकर 50 फीसदी की सीमा को नहीं तोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने साल 1992 में आरक्षण की सीमा को अधिकतम 50 फीसदी तक सीमित कर दिया था।

» सर्वदलीय बैठक आज

मराठा समुदाय के लोगों की मांग है कि उन्हें नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण दिया जाए, जैसे पिछड़ी जातियों को मिला हुआ है। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर ताजा विरोध प्रदर्शन का चेहरा बने किसान परिवार से आने वाले मनोज जारांगे ने महाराष्ट्र के किसानों और अपने समुदाय से संबंधित मुद्दों को उठाने से पहले राजनीति में हाथ आजमाया था।

कोको बनीं नई महिला अमेरिकी ओपन चैंपियन

» 19 वर्षीय खिलाड़ी ने जीता पहला ग्रैंडस्लैम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल प्रतियोगिता में अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने आर्यना सबालेंका को हराकर इतिहास रच दिया और अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया। 19 साल की अमेरिका की कोको गॉफ नई चैंपियन बन गई है।

फाइनल मुकाबले में आर्यना सबालेंका के खिलाफ कोको ने पहला सेट गंवा दिया था जिसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की। ये खिताब कोको के लिए बेहद खास है क्योंकि बचपन से ही इस टूर्नामेंट को वो दर्शक और फैन के तौर पर देखती आई है और अब उसी खिताब को उठाने की उपलब्धि उन्होंने हासिल की है।

भारत बना सैफ अंडर-16 चैम्पियन, बांग्लादेश को 2-0 से हराया

मुख्य कोच इशफाक अहमद की भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वह ग्रुप ए में बांग्लादेश और नेपाल को 1-0 से हराकर शीर्ष रही। इसके बाद सेमीफाइनल में मालदीव को 8-0 से हराया। भारत की अंडर 16 टीम ने बांग्लादेश को फाइनल में 2-0 से हराकर सैफ अंडर 16 फुटबॉल चैम्पियनशिप जीत ली। भारत के लिये भरत लाइरेंजम ने आठवें और लेविस जांगमिनलुन ने 74वें मिनट में गोल दागे।
मुख्य कोच इशफाक अहमद की भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वह ग्रुप ए में बांग्लादेश और नेपाल को 1-0 से हराकर शीर्ष रही। इसके बाद सेमीफाइनल में मालदीव को 8-0 से हराया।
भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं गंवाया। बांग्लादेश के खिलाफ फाइनल में भी खिलाड़ियों ने जबर्दस्त आक्रामकता और नियंत्रण का प्रदर्शन किया। डिफेंस में करीश सोराम ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया तो गोलकीपर अहेइबाम सूरज सिंह चट्टान की तरह डटे रहे।

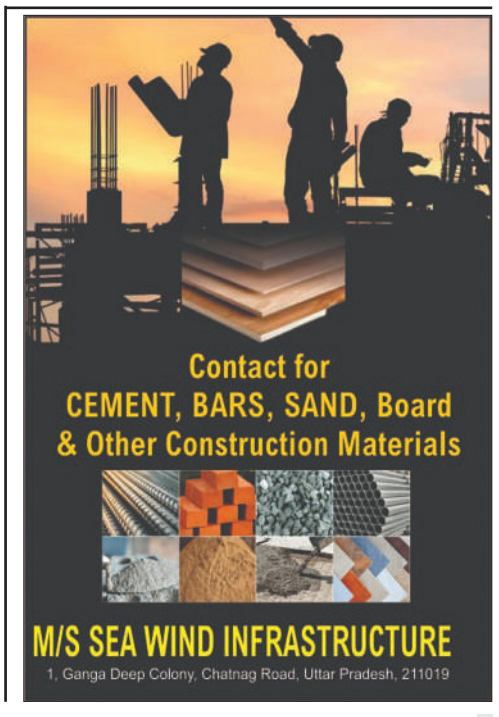

फोटो: सुमित कुमार

धंस गई भ्रष्टाचार की सड़क

दो दिन से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने राजधानी लखनऊ में जहां तबाही मचाई वहीं नगर निगम के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी मायावती के ड्रीम प्रोजेक्ट अम्बेडकर पार्क के पास सड़क पूरी तरह धंस गई। जबकि कई जगह सड़क टूट गई। तो वहीं लोगों के घरों-दुकानों में पानी भर गया। यहां तक कि पॉश इलाकों में बने एलडीए के अपार्टमेंट भी पूरी तरह जलमग्न रहे।

जी-20 सम्मेलन पर सियासी घमासान

» थरुर की तारीफ से भाजपा गदगद, बीजेपी बोली- क्या कांग्रेस के अन्य नेताओं को दिखेगी अच्छाई

» ममता बनर्जी के शामिल होने पर अधीर रंजन नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन समाप्त हो चुका है। विदेशी मेहमान जा चुके हैं। देश में इस आयोजन को लेकर सियासत भी शुरू हो चुकी है। पूरे देश में सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक के कई नेता इसकी तारीफ कर रहें। पर कुछ नेता एक दूसरे पर हमला भी करने में जुटें हैं।

जहां कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पीएम मोदी और जी-20 की तारीफ की है जिसके बाद बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कांग्रेस के अन्य नेताओं को भी जी-20 में अच्छाई दिखेगी। वहीं अधीर रंजन ने ममता बनर्जी ये वहां पर पहुंचने पर निशाना साधा है।

प्रोटोकॉल के बारे में सिखाने की कोई जरूरत नहीं: टीएमसी

कांग्रेस नेता अधीर रंजन के इस सवाल पर टीएमसी ने पलटवार किया है. टीएमसी ने पलटवार करते हए कहा कि ममता बनर्जी विपक्षी गुट इंडिया की प्रमुख समर्थक हैं, कांग्रेस नेता को उनको सरकारी प्रोटोकॉल के बारे में सिखाने की कोई जरूरत नहीं है। टीएमसी के राज्यसभा सांसद शांतनु सेन ने कहा कि ममता बनर्जी की देश के लिए प्रतिबद्धता पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता है, कांग्रस नेता यह तय नहीं करेंगे कि प्रोटोकॉल के तहत जी20 डिनर में शामिल होने के लिए ममता बनर्जी कब जाएंगी।

नई दिल्ली घोषणा पत्र देश के लिए एक उपलब्धि : थरूर

शशि थरूर ने अपने एक इंटरव्यू में जी-20 की तारीफ करते हुए कहा कि देश में वह हुआ जिसकी उम्मीद नहीं थी। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक इंटरव्यू में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र देश के लिए एक उपलब्धि है, क्योंकि सम्मेलन से पहले किसी ने भी इसकी उम्मीद नहीं की थी।

प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक काम किया : रविशंकर प्रसाद

इस सम्मेलन को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तारीफ की है। उन्होंने केंद्र सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह भारत की कूटनीतिक जीत है। इस बयान के बाद भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कहा, यह अच्छी बात है। वह (शशि थरूर) पूर्व राजनयिक रहे हैं। जिस तरह से पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने सम्मानजनक स्थिति हासिल की है, जिस तरह से (जी20 पर) सहमति बनी है और जिस तरह से अफ्रीकी संघ को जी-20 में सीट मिली है। यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत है...। रवि शंकर प्रसाद ने आगे कहा, प्रधानमंत्री ने एक ऐतिहासिक काम किया है। अगर शशि थरूर को इसमें कुछ अच्छा दिख रहा है तो यह अच्छी बात है। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस के बाकी नेता जिनमें विदेश यात्रा पर गए नेता भी शामिल हैं, इसमें कुछ अच्छा देखेंगे।

आखिर वो कौन सी बात है जिसकी वजह से दीदी दिल्ली चली आईं : अधीर रंजन

जी20 सम्मेलन में देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए, इनमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हैं, ममता बनर्जी के जी20 डिनर में शामिल होने के फैसले पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सवाल उठाया है, उन्होंने ममता बनर्जी से पूछा कि इस रात्रिभोज में शामिल होने से क्या उनका नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ रुख कमजोर नहीं होगा। कांग्रेस नेता ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि क्या टीएमसी नेता के इस डिनर में शामिल होने के पीछे कोई और कारण है।

पांच राज्यों का चुनाव टालने के लिए उठाया एक देश-एक चुनाव अभियान : प्रशांत भूषण

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जाने-माने वकील प्रशांत भूषण ने एक देश-एक चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप गाया है कि केंद्र सरकार इसे लेकर प्रचार इसीलिए कर रही है, क्योंकि वह पांच राज्यों के चुनाव को टालना चाहती है। बता दें कि इस साल के अंत में देश में पांच राज्य- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। प्रशांत भूषण ने कहा, एक देश-एक चुनाव को संसदीय लोकतंत्र में लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि भारत जैसे देश में एक सरकार बहुमत खो देने के बाद मध्यावधि में भी गिर सकती है और इसके बाद नई सरकार का गठन होता है। हालांकि, अगर एक देश-एक चुनाव को लागू किया जाता है तो ऐसी स्थितियों में राष्ट्रपति शासन लागू करना मजबूरी होगा जो कि लोकतंत्र के खिलाफ है।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में आंध्र में भारी प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में उनके समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं। उनकी पार्टी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने सोमवार को पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया है। पूर्व मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए जन सेना पार्टी (जेएसपी) के पवन कल्याण ने भी इस बंद का समर्थन किया है।

» जगह-जगह पथराव और आगजनी

पूर्व सीएम की गिरफ्तारी के एक दिन बाद यानी की रविवार को आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम में भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। टीडीपी आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष के अत्चन्नायडू ने पार्टी के कैडर, लोगों और समर्थकों से आंदोलन में भाग लेने और इसे सफल बनाने का अनुरोध किया है। जेएसपी के पवन कल्याण ने भी कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण तरीके से इस बंद में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने सत्तारूढ़ वाईएसआर पार्टी पर राज्य के अन्य विपक्षी पार्टियों को परेशान करने का आरोप लगाया है। चंद्रबाबू नायडू को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद उन्हें राजमुंदरी सेंट्रल जेल ले जाया गया। उनकी रिमांड से पहले जेल में भारी संख्या में पुलिस बलों को तैनात किया गया था। वहीं इसके विरोध में टीडीपी के कार्यकर्ता विजयवाड़ा अदालत के परिसर में जमा हुए। इलाके में शांति स्थापित करने के लिए राजमुंदरी पुलिस ने धारा 144 लगा दिया।

ईडी निदेशक को नई जांच से रोकने की अदालत से गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को लेटर पिटीशन भेज कर ईडी निदेशक संजय मिश्रा को अपने कार्यकाल के अंतिम पांच दिनों में नई जांच शुरू करने से रोके जाने की प्रार्थना की है ।

आजाद अधिकार सेना ने सुप्रीम कोर्ट में डाली पिटीशन

अपने लेटर पिटीशन में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संजय मिश्रा का कार्यकाल 15 सितंबर तक इसलिए बढ़ाया गया था कि वे लंबित जांचों को पूरा कर सकें। इसके विपरित प्राप्त जानकारी अनुसार संजय मिश्रा इस दौरान लगातार केंद्र सरकार के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ नई जांचें शुरू कर रहे हैं और इनमें कार्यवाही कर रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना दिखती है। अतः उन्होंने कोर्ट से तत्काल उनके लेटर पिटीशन पर संज्ञान लेते हुए संजय मिश्रा को इस प्रकार नई जांचें शुरू करने से रोके जाने की प्रार्थना की है।

इंडिगो के फ्लाइट में फिर महिला से छेड़छाड़, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

» अब मुंबई से गुवाहाटी जा रहे विमान में किया गया यौन उत्पीड़न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फ्लाइट में महिलाओं से छेड़छाड़ के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब मुंबई से गुवाहाटी जा रही इंडिगो फ्लाइट में एक महिला यात्री के साथ छेड़छाड़ करने के मामला सामने आया है। आरोपी व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

इंडिगो के प्रवक्ता के अनुसार, घटना 10 सितंबर को फ्लाइट संख्या 6ई 5319 में हुई। पीड़िता द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने के बाद विमान के गुवाहाटी में उतरने के बाद आरोपी को असम पुलिस को सौंप दिया गया।अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता द्वारा स्थानीय पुलिस में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर कार्रवाई हुई है। इंडिगो प्रवक्ता ने कहा कि जहां भी आवश्यक होगी हम जांच में सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने शिकायत मिलते ही तुरंत एक्शन लिया है। इससे पहले दुबई से अमृतसर जा रही एक फ्लाइट में भी छेड़खानी का मामला सामने आया था।

दो महीनों में उत्पीड़न के आ चुके हैं 4 मामले

बता दें कि पिछले दो महीनों में विभिन्न फ्लाइट्स में यौन उत्पीड़न के कम से कम चार मामले सामने आए हैं। इससे पहले 16 अगस्त को दिल्ली-मुंबई स्पाइसजेट फ्लाइट में कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी इस घटना पर दिल्ली पुलिस और डीजीसीए को नोटिस जारी किया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।